

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 08 September 2026

अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दी शुभकामनाएं, समानता और निष्पक्ष न्याय को बताया लोकतंत्र की सबसे सशक्त नींव

राजेश चौधरी

Published on 17 Jul 2026



अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं

बधाई देते हुए न्याय, समानता और निष्पक्षता के मूल्यों को लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे मजबूत आधारशिला बताया। उन्होंने कहा कि एक सशक्त, समृद्ध और विकसित समाज का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक नागरिक को बिना किसी भेदभाव के न्याय प्राप्त हो और उसके अधिकारों की प्रभावी रूप से रक्षा की जाए।

मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि न्याय केवल न्यायालयों तक सीमित व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा और नागरिकों के विश्वास का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि संविधान द्वारा प्रदत्त समानता, स्वतंत्रता और न्याय के मूल सिद्धांत प्रत्येक नागरिक को समान अवसर प्रदान करते हैं और यही सिद्धांत देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को उसकी सामाजिक, आर्थिक अथवा भौगोलिक परिस्थितियों से ऊपर उठकर निष्पक्ष एवं सुलभ न्याय मिलना चाहिए। राज्य सरकार इसी उद्देश्य के साथ न्याय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और समयबद्ध बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि न्याय केवल अधिकारों की रक्षा का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में विश्वास, सामाजिक समरसता और कानून के प्रति सम्मान स्थापित करने का सबसे महत्वपूर्ण आधार भी है। जब प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष न्याय मिलता है, तब समाज में विश्वास बढ़ता है और विकास की गति भी मजबूत होती है।

उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे समानता, न्याय और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और अधिक सुदृढ़ करें

तथा ऐसे समाज के निर्माण में सहभागी बनें, जहां प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान, सुरक्षा और न्याय का अधिकार प्राप्त हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार न्याय व्यवस्था को अधिक सुलभ बनाने, प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता लाने तथा आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विभिन्न स्तरों पर लगातार सुधारात्मक कदम उठा रही है। सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक पात्र नागरिक को समय पर न्याय और सरकारी सेवाओं का लाभ बिना किसी अनावश्यक विलंब के प्राप्त हो।

उन्होंने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ केवल योजनाओं का संचालन नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक तक न्यायपूर्ण और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करना है। इसी सोच के साथ राजस्थान सरकार प्रशासनिक जवाबदेही, पारदर्शिता और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि न्याय व्यवस्था में विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि प्रत्येक नागरिक को यह भरोसा हो कि उसके अधिकार सुरक्षित हैं और उसे निष्पक्ष न्याय मिलेगा, तो समाज में शांति, भाईचारा और विकास का वातावरण स्वतः स्थापित होता है।

उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से संविधान के मूल्यों, कानून के सम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व को अपनाने का आह्वान किया। उनका कहना था कि आने वाली पीढ़ियों को न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूक बनाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस समाज में न्याय, समानता, पारदर्शिता और मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों के संयुक्त प्रयासों से ही ऐसा समाज बनाया जा सकता है, जहां प्रत्येक व्यक्ति सम्मान, विश्वास और समान अवसरों के साथ जीवन व्यतीत कर सके।

अपने संदेश के अंत में मुख्यमंत्री ने एक बार फिर प्रदेशवासियों को अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजस्थान सरकार न्याय को जन-जन तक सुलभ, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी तथा संविधान में निहित समानता और निष्पक्ष न्याय के आदर्शों को साकार करने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी रखेगी।